Nature Times - Wild India News

18 Jul ·

अजमेर के सोखलिया क्षेत्र में खारमोर पक्षी के संरक्षण के लिए हुआ अहम समझौता

#indiawithnaturetimes #wildlifecons...see more

अजमेर के सौखलिया क्षेत्र मे खरमोर पक्षी के संरक्षण हेतु

बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और राज. जैव विविधता बोर्ड के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर

राज. जैव विविधता बोर्ड जयपुर एवं बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) के बीच आज अजमेर के सौखलिया क्षेत्र मे खरमोर पक्षी के संरक्षण हेतु एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए । राज. जैव विविधता बोर्ड जयपुर के मुख्य प्रबन्धक मुकेश कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया कि इस अनुबंध के तहत राज. जैव विविधता बोर्ड जयपुर , बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) को दस लाख रुपए का अनुदान देगा उन्होने बताया कि खरमोर (लेसर फ्लोरिकन) एक बस्टर्ड प्रजाति का पक्षी है और यह घास व मैदानी इलाकों मे विचरण करता है । भारत मे इसकी 4 प्रजातियाँ पायी जाती हैं। राजस्थान मे खरमोर पक्षी वर्षा ऋतु के दौरान अजमेर जिले के सौंखलिया , अराई, सरवाड इलाकों मे दिखाई देता है । खरमोर के अंडे मैदानी एवं फ़सली क्षेत्रों मे होते हैं। घास बीड़ों के कम होने, भू उपयोग मे परिवर्तन, आधुनिक खेती, रसायनों के प्रयोग एवं मशीनीकरण के कारण इसकी संख्या मे गिरावट आई है । अतः इस पक्षी के संरक्षण की महती आवश्यकता है । खरमोर किसान मित्र है क्योंकि यह फसलों मे होने वाले कीड़ो और टिड्डियों को खा जाता है।

इस अनुबंध के तहत बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) अजमेर जिले के सौंखलिया क्षेत्र मे आगामी 2 वर्षों मे इसके संरक्षण का प्लान तैयार करेगा ,स्थानीय समुदाय को चेतना जागृत कर उन्हे प्रशिक्षित करेगा , इस पक्षी का सर्वे करेगा और लोक जैव विविधता पंजिका तैयार कर इस क्षेत्र को "बायोडाईवर्सिटी हेरिटेज" क्षेत्र घोषित कराने मे मदद करेगा ।

खरमोर पक्षी के संरक्षण हेतु राज. जैव विविधता बोर्ड का यह अनूठा प्रयास है ।